



# षष्ठ गृह के व्रतोत्सव टिप्पणी

---

षष्ठ पीठाधिश्वर पू.पा.गो.१०८  
श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री  
की आज्ञा से प्रकाशित

---

विक्रम संवत् २०८३  
सिद्धार्थि नाम संवत्सरे शालिवाहन शाके १९४८ (1948)  
पराभव नाम संवत्सरे श्री वल्लभाब्द ५४८-५४९ (548-549)  
ई.स. 2026 - 2027

---



जगद्गुरु श्रीमद् वल्लभाचार्यजी महामुप्रभुजी



श्री आध्य षष्ठ गृहाधीपति  
श्री यदुनाथजी महाराज



नि.ली. श्री गिरधरलालजी महाराज



नि.ली. श्री वल्लभलालजी महाराज

षष्ठपीठाधिस्वर प.पू.गो.१०८

श्री द्वारकेशलालजी (श्री गिरधरलालजी) महाराजश्री  
मार्गशीर्ष कृष्ण ४ (संवत् २०२४)



श्री आश्रयकुमारजी (श्री वल्लभलालजी)  
फाल्गुन कृष्ण १२ (संवत् २०५३)



श्री शरणमकुमारजी (श्री विडुलनाथजी)  
जेष्ठ शुक्ल ८ (संवत् २०५६)



चि. गो. श्री यदुनाथजी (श्री यदुपतिजी)  
मार्गशीर्ष कृष्ण ४ (संवत् २०७७)



चि. गो. श्री कृष्णराजजी (श्री प्रभुन्जी)  
श्रावण कृष्ण ८ (संवत् २०८१)



चि. गो. श्री गोवर्धनरायजी (श्री गोपीनाथजी)  
फाल्गुन शुक्ल ८ (संवत् २०८१)

षष्ठपीठ एवं श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री के अंतर्गत  
सभी हवेली एवं मंदिर इस अनुसार वर्षोत्सव मनायें ।



॥ श्री कल्याणराय प्रभु विजयते ॥  
॥ श्री गोपीजन वल्लभाय नमः ॥  
॥ श्री मदाचार्यचरण कमलेभ्यो नमः ॥  
॥ श्री यदुनाथ महाप्रभु विजयते ॥

# षष्ठ गृह (पीठ) की प्रतीक्षव टिप्पणी

सन् 2026-2027



# टिप्पणी


## टिप्पणी प्राप्ति स्थान

षष्ठपीठ, श्री कल्याणरायजी हवेली,  
बाजवाडा, शेठ शेरी, मांडवी, वडोदरा.

फोन नं. (0265) 2423322, 2426942

Email: kalyanraijimandir@outlook.com



## चैत्र शुक्ल पक्ष (गुज. चैत्र सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४८

संवत् २०८३			मार्च - अप्रैल - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	शुक्र	२०	सन २०२६, श्री यदुनाथजी के ज्येष्ठ आत्मज श्री मधुसुदनलालजी (टिकेत २) को उत्सव संवत् (१६३४)
३	शनि	२१	लाल गणगौर ।
४	रवि	२२	हरी गणगौर ।
५	सोम	२३	गुलाबी गणगौर ।
६	मंगल	२४	श्री विठ्ठलनाथजी के षष्ठ आत्मज आद्य षष्ठ गृहाधीश श्रीयदुनाथजी महाराजजी को उत्सव (संवत् १६१५) । यमुना छट्ट । केसरी गणगौर ।
७	बुध	२५	-----
८	गुरु	२६	-----
९	शुक्र	२७	श्री रामनवमी जयंती व्रत ।
१०	शनि	२८	श्री रामनवमी व्रत के पारणा । प्रातः ८.४७ पुर्व करनो ।
११	रवि	२९	कामदा एकादशी व्रत । श्री महाप्रभुजी के उत्सव की वधाई (१५ दिन)
१२	सोम	३०	-----
१३	मंगल	३१	-----
१४	बुध	०१	अप्रैल ।
१५	गुरु	०२	ईष्टिः । लघु रासोत्सव, चैत्री पूर्णिमा, वैशाख स्नानारम्भ ।



## वैशाख कृष्ण पक्ष (गुज. चैत्र वद)

श्री वल्लभाब्द ५४८ - ५४९

संवत् २०८३			अप्रैल - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	०३	-----
२	शनि	०४	-----
३	रवि	०५	विद्यमान षष्ठ गृहाधिप गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री गोद पधारे, तिलक उत्सव (संवत् २०४६)
४	सोम	०६	श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बडी बधाई (८ दिन)।
५	मंगल	०७	-----
६	बुध	०८	-----
७	गुरु	०९	पाटोत्सव श्री विठ्ठलनाथजी, नाथद्वारा।
८	शुक्र	१०	श्री प्रद्युम्नजी (टिकेत ३) के उत्सव की बधाई।
९	शनि	११	-----
१०	रवि	१२	-----
११	सोम	१३	वरुथिनी एकादशी व्रत। श्री महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (संवत् १५३५)। श्री वल्लभाब्द ५४९ को प्रारम्भः। श्री प्रद्युम्नजी (टिकेत ३) को उत्सव (संवत् १६६०)।
१२	मंगल	१४	मेष संक्रान्ति। श्री प्रभु आज सतुवा गोपी वल्लभ / राजभोग में पुण्यकाल सूर्योदय सूर्य दोपहर ०१.३३ पर्यन्त है। तामे भी प्रातः ७.३३० सूर्य अति मुख्य पुण्यकाल है। श्री कूं भोग धरे पीछे दान पुण्यादि करने। अबके यह संक्रान्ति १२ मंगल कूं प्रातः ६.३३ पर बैठी है। तासूं पुण्यकाल आज मान्यो जायेगो।
१३	बुध	१५	-----
१४	गुरु	१६	-----
३०	शुक्र	१७	दर्श अमावस्या।



## वैशाख शुक्ल पक्ष (गुज. वैशाख सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			अप्रैल - मई - २०२६	
तिथि	वार	दि.	उत्सव	ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	१८	ईष्टिः ।	
२	रवि	१९	-----	
३	सोम	२०	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, त्रेतायुगादि । चतुर्थी को क्षय	
५	मंगल	२१	पाटोत्सव श्री नटवरलालजी, राजनगर ।	
६	बुध	२२	-----	
७	गुरु	२३	-----	
८	शुक्र	२४	-----	
९	शनि	२५	-----	
१०	रवि	२६	-----	
११	सोम	२७	मोहिनी एकादशी व्रत ।	
१२	मंगल	२८	-----	
१३	बुध	२९	-----	
१४	गुरु	३०	श्री वृसिंह जयंती व्रत ।	
१५	शुक्र	०१	मई । पूर्णिमा । वैशाख स्नान समाप्ति ।	



## ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज. वैशाख वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			मई - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	०२	ईष्टिः ।
२	रवि	०३	श्री प्रभु के फूल के श्रृंगार को प्रारंभ । षष्ठ तिथि श्री कल्याणराय प्रभु को प्रथम पाटोत्सव । छप्पनभोग उत्सव(संवत् २०६७) विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराज कृत ।
३	सोम	०४	-----
४	मंगल	०५	चतुर्थी वृद्धी तिथि ।
४	बुध	०६	-----
५	गुरु	०७	-----
६	शुक्र	०८	-----
७	शनि	०९	-----
८	रवि	१०	-----
९	सोम	११	-----
१०	मंगल	१२	-----
११	बुध	१३	अपरा एकादशी व्रत ।
१२	गुरु	१४	-----
१३	शुक्र	१५	-----
३०	शनि	१६	दर्श-भावुका अमावस्या ।



## अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (गुज. अधिक जेठ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			मई - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	१७	इष्टिः । अधिकमास पुरुषोत्तम मास को आरम्भ । प्रतिदिवस दान या मास में प्रशस्त है। या मास में नित्य सेवा को विशेष नियम तथा भगवान्नाम जाप, गीता भगवतादिकन के पाठ यथाशक्ति ब्राह्मण भोजन गोपूजनादि जो बन सके तो कछुं भी सत्कृत्य नित्य अवश्य करनो । दान को संकल्प पुष्ठ २७ पर लिख्यो है ।
२	सोम	१८	-----
३	मंगल	१९	-----
४	बुध	२०	-----
५	गुरु	२१	-----
६	शुक्र	२२	-----
७	शनि	२३	जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणमकुमारजी)(संवत् २०५६)
९	रवि	२४	-----
१०	सोम	२५	सूर्य रोहिणी में आज दोपहर २.३६ सूं लेके अधिक ज्येष्ठ कृष्ण ८.६.२०२६ को दिन के ९.३३ तक है इस दिन में श्री के अंग में चन्दन धरावनो प्रशस्त है ।
११	मंगल	२६	-----
१२	बुध	२७	कमला एकादशी व्रतम, या दिन व्यतीपात होयवे सूं कछु भी विशेष भोग श्री कू धरनो तथा थोडो बहुत कछु भी दान ब्राह्मण भोजन यथाशक्ति करनो । दोनों एकादशी में नित्य पात्र दान दूधघर की अथवा फलाहार की वस्तु सूं करनो चाहिए ।
१३	गुरु	२८	-----
१४	शुक्र	२९	-----
१५	शनि	३०	-----
१६	रवि	३१	पुण्य दिनम्



## अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज. अधिक जेठ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			जून - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव श्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	०१	जून   इष्टिः ।
२	मंगल	०२	-----
३	बुध	०३	-----
४	गुरु	०४	-----
५	शुक्र	०५	-----
६	शनि	०६	वैधृति योग १०.५ पश्चात्, पुण्यदिनम् ।
७	रवि	०७	१०.२ तक या दिन वैधृति हे तासूं ये भी अति पुण्य को समय है । तासूं कसु भी श्री के मनोरथ दानादिक यथाशक्ति करनो ।
८	सोम	०८	-----
९	मंगल	०९	-----
१०	बुध	१०	-----
११	गुरु	११	कमला एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	१२	-----
१३	शनि	१३	-----
१४	रवि	१४	-----
३०	सोम	१५	सोमवती अमावस योग प्रातः ८.२५ तक, पुण्यदिनम् । अधिकमास - पुरुषोत्तम मास के नियम की समाप्ति । इष्टिः ।



## ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (गुज. जेठ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			जून - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव श्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	मंगल	१६	एकम को क्षय । श्री यदुनाथजी के चतुर्थ आत्मज श्री बालकृष्णजी को उत्सव (संवत् १६४४) ।
३	बुध	१७	-----
४	गुरु	१८	-----
५	शुक्र	१९	-----
६	शनि	२०	-----
७	रवि	२१	-----
८	सोम	२२	श्री यदुनाथजी (टिकेत ६) के उत्सव की बधाई । जन्मदिन चि. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणमकुमारजी) (संवत् २०५६) (जेठ अधिक होयवे सूं तामे मनावत हैं ।)
९	मंगल	२३	-----
१०	बुध	२४	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव ।
११	गुरु	२५	निर्जला एकादशी व्रत । श्री यदुनाथजी (टिकेत ६) को उत्सव (संवत् १७८३) ।
१२	शुक्र	२६	-----
१३	शनि	२७	श्री कल्याणराय प्रभु एवं श्री नटवर प्रभु निज गृह बडोदा में संग बिराजे (संवत् २०१५) । स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो ।
१४	रवि	२८	स्नानयात्रा । ज्येष्ठाभिषेक । प्रातः मंगला के बाद श्री प्रभु को सूर्योदय पूर्व स्नान कराने ।
१५	सोम	२९	-----



## आषाढ कृष्ण पक्ष (गुज. जेठ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			जून - जुलाई - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म वर्षा ऋतु : रवि उत्तरायणे - दक्षिणायने
१	मंगल	३०	ईष्टिः ।
१	बुध	०१	जुलाई ।
२	गुरु	०२	-----
३	शुक्र	०३	-----
४	शनि	०४	-----
५	रवि	०५	-----
६	सोम	०६	-----
७	मंगल	०७	-----
८	बुध	०८	श्री विठ्ठलनाथजी (टिकेत ४) के उत्सव की बधाई ।
९	गुरु	०९	-----
१०	शुक्र	१०	एकादशी को क्षय । दक्षिणायन प्रारंभ, वर्षाऋतु प्रारंभ ।
१२	शनि	११	योगिनी एकादशी व्रत । श्री विठ्ठलनाथजी (टिकेत ४) को उत्सव (संवत् १७९७) ।
१३	रवि	१२	-----
१४	सोम	१३	-----
३०	मंगल	१४	-----



## आषाढ शुक्ल पक्ष (गुज. आषाढ सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			जुलाई - २०२६	
तिथि	वार	दि.	उत्सव	वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	१५	ईष्टिः। रथयात्रा ।	
२	गुरु	१६	-----	
३	शुक्र	१७	-----	
५	शनि	१८	श्री द्वारकाधीशजी को पाटोत्सव (काँकरोली) (संवत् १७२०) ।	
६	रवि	१९	कसुम्बा छट्ट, षष्ठी पंडगू, श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव ।	
७	सोम	२०	-----	
८	मंगल	२१	-----	
९	बुध	२२	नवमी की वृद्धि ।	
९	गुरु	२३	-----	
१०	शुक्र	२४	बैंगन दशमी ।	
११	शनि	२५	देवशयनी एकादशी व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ ।	
१२	रवि	२६	-----	
१३	सोम	२७	-----	
१४	मंगल	२८	-----	
१५	बुध	२९	गुरु पूर्णिमा । चातुर्मासि प्रारंभ । व्यास पूर्णिमा । कचोरी पूनम । पर्वात्मक उत्सव । चातुर्मासि नियमारंभ एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करना । ता मे पूर्णिमा मुख्य ।	



## श्रावण कृष्ण पक्ष (गुज. आषाढ वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			जुलाई - अगस्त - २०२६	
तिथि	वार	दि.	उत्सव	वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	३०	इष्टि:   हिन्दौरा आरम्भ	
२	शुक्र	३१	-----	
३	शनि	०१	अगस्त	
४	रवि	०२	श्री गोकुलचंद्रमाजी को पाटोत्सव (कामवन) श्री गोकुलनाथजी को पाटोत्सव (गोकुल)	
५	सोम	०३	-----	
६	मंगल	०४	-----	
७	बुध	०५	-----	
८	गुरु	०६	जन्माष्टमी की बधाई   केसरी घटा   श्री आश्रयकुमारजी के द्वितीय पुत्र चि. श्री कृष्णराजजी (श्री प्रद्युम्नजी) को जन्मदिन (२०८१)	
९	शुक्र	०७	-----	
१०	शनि	०८	-----	
११	रवि	०९	कामिका एकादशी व्रत	
१२	सोम	१०	पीली घटा   श्री प्रद्युम्नजी(टिकेत ५)के उत्सव कि बधाई   तेरस को क्षय होय वे सू आज	
१४	मंगल	११	-----	
३०	बुध	१२	हरियाली अमावस्या   हरि घटा	



## श्रावण शुक्ल पक्ष (गुज. श्रावण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			अगस्त - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	१३	इष्टि:। श्री प्रद्युम्नजी(टिकेत ५)को उत्सव (संवत् १७६२) लाल घटा।
२	शुक्र	१४	श्री यदुनाथजी के तृतीय आत्मज श्री जगन्नाथजी को उत्सव (संवत् १६४२)
३	शनि	१५	ठकुरानी तीज मधुश्रवा ।
४	रवि	१६	फिरोजी घटा ।
५	सोम	१७	नागपंचमी, श्रीजी की ऊर्ध्वभुजा के दर्शन ।
६	मंगल	१८	गुलाबी घटा ।
७	बुध	१९	-----
८	गुरु	२०	हेम हिन्डोला । सफेद घटा ।
९	शुक्र	२१	इन्द्रधनुषी घटा ।
१०	शनि	२२	षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु को द्वितीय पाटोत्सव ।
११	रवि	२३	-----
१२	सोम	२४	पुत्रदा एकादशी व्रत, पवित्रा एकादशी, श्रीनकू पवित्रा प्रातः श्रृंगार में धरने । जन्माष्टमी की बडी बधाई ।
१२	मंगल	२५	पवित्रा बारस - गुरुनकू पवित्रा धरावें । बारस की वृद्धि ।
१३	बुध	२६	तेरस को बगीचा । ऋग्वेदीन की श्रावणी यजुर्वेदिन तथा अभर्ववेदीन की श्रावणी ।
१४	गुरु	२७	-----
१५	शुक्र	२८	रक्षाबंधन, श्रीनकू प्रातः श्रृंगार में १.४९ पुर्व रक्षा धरावें । आपस्वंधं हिरण्य केशीय, बौधायन, काण्व, माध्यंदिन, प्रभृति सर्व, ऋग्वेदीन, युज्वेदीन तथा अथर्ववेदीन की श्रावणी ।



## भाद्रपद कृष्ण पक्ष (गुज. श्रावण वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३		अगस्त - सितंबर - २०२६		
तिथि	वार	दि.	उत्सव	वर्षा- शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शनि	२९	इष्टिः ।	
२	रवि	३०	-----	
३	सोम	३१	कज्जली तीज । हिन्दौरा विजय संध्या समय (भोग संध्या में)।	
४	मंगल	०१	सितंबर । पंचमी को क्षय ।	
६	बुध	०२	-----	
७	गुरु	०३	शयन में षष्ठी को उत्सव । विष्णुस्वामी प्राकटयोत्सव ।	
८	शुक्र	०४	जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जन्मोत्सव ।	
९	शनि	०५	नंद महोत्सव ।	
१०	रवि	०६	-----	
११	सोम	०७	अजा एकादशी व्रत ।	
१२	मंगल	०८	-----	
१३	बुध	०९	छट्टी को पलना ।	
१४	गुरु	१०	-----	
३०	शुक्र	११	कुशग्रहणी-अमावस्या । इष्टिः ।	



## भाद्रपद शुक्ल पक्ष (गुज. भादरवा सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			सितंबर - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शनि	१२	श्री राधाष्टमी की बधाई (८ दिन) ।
२	रवि	१३	सामवेदीन की श्रावणी ।
३	सोम	१४	गणेश चतुर्थी ।
४	मंगल	१५	-----
५	बुध	१६	ऋषि पंचमी ।
६	गुरु	१७	-----
७	शुक्र	१८	श्री यदुनाथजी के द्वितीय आत्मज श्री रामचन्द्रजी को उत्सव (संवत् १६३८)
८	शनि	१९	श्री राधाष्टमी ।
९	रवि	२०	-----
१०	सोम	२१	-----
११	मंगल	२२	परिवर्तिनी - दान एकादशी व्रत । श्री वामन जयंति व्रत । विष्णु श्रृखंल योग ।
१२	बुध	२३	-----
१३	गुरु	२४	-----
१४	शुक्र	२५	-----
१५	शनि	२६	पूर्णिमा । साँझी को प्रारम्भ ।



## आश्विन कृष्ण पक्ष (गुज. भादरवा वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत २०८३			सितंबर - अक्टूबर - 2026
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	27	ईष्टि:   महालय श्राद्ध पक्ष आरंभ   श्राद्ध पक्ष को निर्णय पृष्ठ 00 में देखे
२	सोम	28	द्वितीया को श्राद्ध
३	मंगल	29	तृतीया को श्राद्ध
४	बुध	30	चतुर्थी को श्राद्ध   पंचमी को श्राद्ध   श्री वल्लभलालजी (टिकेत १२) के उत्सव की बधाई
५	गुरु	01	अषट्बर   षष्ठी को श्राद्ध
६	शुक्र	02	सप्तमी को श्राद्ध
७	शनि	03	अष्टमी को श्राद्ध   श्री वल्लभलालजी (टिकेत १२) को उत्सव (संवत १९६२)   महादान मनोरथ विज मंदिर में   श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को उत्सव (संवत १९८७) अष्टमी को क्षय होयवे सूं आज
९	रवि	04	नवमी को श्राद्ध, अविधवा नवमी   श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के उत्सव की बधाई (४ दिन), श्री गिरधरलालजी (टिकेत ११) के उत्सव की बधाई
१०	सोम	05	दशमी को श्राद्ध
११	मंगल	06	एकादशी को श्राद्ध   इन्दिरा एकादशी व्रत
१२	बुध	07	द्वादशी को श्राद्ध   श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी को उत्सव (संवत १९६७)   श्री गिरधरलालजी (टिकेत ११) को उत्सव (संवत १९२३)   महादान मनोरथ
१३	गुरु	08	त्रयोदशी श्राद्ध   श्री गुसांइजी के तृतीय पुत्र श्री बालकृष्णलालजी को उत्सव (संवत १६०६)
१४	शुक्र	09	चतुर्दशी को श्राद्ध   शस्त्र हतन को श्राद्ध
३०	शनि	10	सर्वपितृ दर्श अमावस्या, अमावस्या श्राद्ध   कोट की आरती और सांझी की समाप्ति



## आश्विन शुक्ल पक्ष (गुज. आसो सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			अक्टूबर - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	११	इष्टि:   नवरात्रि प्रारम्भ   मातामह श्राद्ध   अंकुरारोपणम् ।
२	सोम	१२	----
३	मंगल	१३	श्री यदुनाथजी के पंचम आत्मज श्री गोपीनाथजी को उत्सव (संवत् १६४७) ।
४	बुध	१४	----
५	गुरु	१५	----
६	शुक्र	१६	----
७	शनि	१७	सरस्वती आवाहन , पूजनारंभ: ।
७	रवि	१८	----
८	सोम	१९	----
९	मंगल	२०	दशहरा (विजयादशमी)। सरस्वती विसर्जनम् । अंकुरार्पण भोग-संध्या में ।
१०	बुध	२१	----
११	गुरु	२२	पाशांकुशा एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	२३	----
१३	शनि	२४	श्री गोकुलनाथजी (टिकेत ७) के उत्सव की बधाई ।
१४	रवि	२५	शरद पूर्णिमा - रासोत्सव ।
१५	सोम	२६	इष्टि:   कार्तिक स्नानारम्भ   दिन की शरद ।



## कार्तिक कृष्ण पक्ष (गुज. आसो वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			अक्टूबर - नवम्बर - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	२७	श्री गोकुलनाथजी (टिकेत ७) को उत्सव (संवत् १८९७) । द्वितीय को क्षय ।
३	बुध	२८	-----
४	गुरु	२९	-----
५	शुक्र	३०	-----
६	शनि	३१	-----
७	रवि	०१	नवम्बर ।
८	सोम	०२	-----
९	मंगल	०३	-----
१०	बुध	०४	हटडी आरंभ ।
११	गुरु	०५	रमा एकादशी व्रत । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ८) के उत्सव की बधाई । गोवत्स द्वादशी ।
१२	शुक्र	०६	-----
१३	शनि	०७	धन त्रयोदशी ।
१४	रवि	०८	रूप चतुर्दशी । अभ्यंग । दीपावली, हटडी, कानजगाई । श्री प्रद्युमनजी (टिकेत ८)को उत्सव (संवत् १८३६) । श्री वल्लभलालजी(टिकेत १०)के उत्सव की बधाई ।
३०	सोम	०९	सोमवती अमावस्या । गोवर्धन पूजा, अन्नकूटोत्सव । गुर्जराणां वि. सं. २०८२ समाप्त ।



## कार्तिक शुक्ल पक्ष (गुज. कार्तिक सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			नवम्बर - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद - हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	मंगल	१०	गुर्जराणां नूतनवर्ष सं. २०८३ प्रारंभ । श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) सुत श्री गोकुलनाथजी (२) को उत्सव (संवत् १८९६) ।
२	बुध	११	यम द्वितीया (भाईदूज)। श्री वल्लभलालजी (टिकेत १०) को उत्सव (संवत् १९०७)।
३	गुरु	१२	-----
४	शुक्र	१३	-----
५	शनि	१४	लाभ पंचमी । श्री कल्याणराय प्रभु व्रज में पधारे (संवत् २०६५) व्रजानंद महोत्सव ।
६	रवि	१५	-----
७	सोम	१६	-----
८	मंगल	१७	गोपाष्टमी । श्री कल्याणराय प्रभु गोकुल के निज प्राचीन गृह-मंदिर में बिराजे (संवत् २०६५)।
९	बुध	१८	अक्षयनवमी। कुष्माण्डदान, कृतयुगादि। श्री कल्याणरायजी एवं श्री गिरिराजजी (जतीपुरा) को संग कुनवारा भयो (संवत् २०६५)
९	गुरु	१९	-----
१०	शुक्र	२०	श्री कल्याणराय प्रभु जतिपुरा श्री कल्याणरायजी मंदिर में बिराजे (सं. २०६५) ।
१२	शनि	२१	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) एकादशी व्रत देवोत्थापन सायं भोग संध्या में । उत्सव प्रथम पुत्र श्री गिरिधरजी (संवत् १५९७) एवं पंचम पुत्र श्री रघुनाथजी (संवत् १६११)। एकादशी को क्षय होयवे सूं आज ।
१३	रवि	२२	श्री कल्याणराय प्रभु, श्री गोकुल चंद्रमाजी, एवं श्रीमदनमोहनजी को संग छप्पन भोग उत्सव (कामवन) (सं २०६५) ।
१४	सोम	२३	-----
१५	मंगल	२४	कार्तिक स्नान समाप्ति, चातुर्मास नियम समाप्ति, देवदिवाली । गोपमासारंभ ।



## मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (गुज. कार्तिक वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			नवम्बर - दिसंबर - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	२५	इष्टि:   गोपमास आरंभ   व्रतचर्या   छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु के संग श्री छोटे मदनमोहनजी (मथुरा) (संवत् २०६५) ।
२	गुरु	२६	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु के संग श्री बडेमदनमोहनजी (मथुरा) (संवत् २०६५) ।
३	शुक्र	२७	चतुर्थी को क्षय   विद्यमान टिकेत श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री (संवत् २०२४) को जन्मदिन एवं आपके आत्मज श्रीआश्रयकुमारजी के पुत्र चि. श्री यदुपतिजी (श्री यदुराजजी) को जन्मदिन (संवत् २०७७)। चतुर्थी को क्षय होयवे सूं आज ।
५	शनि	२८	छप्पनभोग उत्सव श्री कल्याणराय प्रभु राजाधिराज मंदिर मथुरा में बिराजे (संवत् २०६५) ।
६	रवि	२९	-----
७	सोम	३०	छप्पनभोग उत्सव- विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत् २०७३) ।
८	मंगल	०१	दिसंबर   द्वितीय पुत्र श्री गोविंदरायजी को उत्सव (संवत् १५९९), श्री कल्याणराय प्रभु काँकरोली पधारे (संवत् २०६५) ।
९	बुध	०२	-----
१०	गुरु	०३	-----
११	शुक्र	०४	उत्पत्ति एकादशी व्रत ।
१२	शनि	०५	हरी घटा एवं सखडी को प्रथम मंगलभोग ।
१३	रवि	०६	सप्तम पुत्र श्री घनश्यामजी को उत्सव (संवत् १६२८)। श्री कृष्णावती बहुजी महाराज को उत्सव (संवत् १९६४) । केसरी घटा ।
१४	सोम	०७	-----
३०	मंगल	०८	दर्श अमावस्या   अन्वाधान   श्याम घटा ।



## मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (गुज. मागशर सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			दिसंबर - २०२६
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	०९	ईष्टि: । प्रतिप्रदा की वृद्धि ।
१	गुरु	१०	-----
२	शुक्र	११	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु बेठक मंदिर पधारे । नि. लि. तृ.गृ. श्री व्रजेशकुमारजी कृत (संवत् २०४८) । छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु, श्री नवनीतप्रियाजी, श्री द्वारकाधिशजी, श्री विठ्ठलनाथजी एवं श्री मथुराधिशजी (कांकरोली), विठ्ठल विलास बाग में पधारे नि. लि. तृ.गृ.श्री व्रजेशकुमारजी एवं विद्यमान ष.गृ. श्री द्वारकेशलालजी कृत(संवत्.२०६५)।
३	शनि	१२	-----
४	रवि	१३	श्री कल्याणरायप्रभु व्रजसे पुनः निजगृह-बडौदा पधारे २०६५ ।
५	सोम	१४	पाटोत्सव श्री मदनमोहनजी (कामवन) ।
६	मंगल	१५	-----
७	बुध	१६	चतुर्थ पुत्र श्री गोकुलनाथजी को उत्सव (संवत् १६०८) छप्पनभोग उत्सव (संवत् २०६५) विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत । धनुर्मासार्ंभ प्रातः १०.२५ से
८	गुरु	१७	-----
९	शुक्र	१८	-----
१०	शनि	१९	श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री को विवाहोत्सव(सं.२०४९) ।
११	रवि	२०	मोक्षदा एकादशी व्रत।
१२	सोम	२१	पीली घटा एवं सखडी को द्वितीय मंगलभोग ।
१३	मंगल	२२	छप्पनभोग उत्सव (सं.२०४१) श्री कृष्णावती बहुजी महाराज कृत ।
१४	बुध	२३	श्री बलदेवजी को उत्सव कितने माने हैं । श्री दाउजी को पाटोत्सव । गोपमास व्रतचर्या समाप्ति । पूर्णिमा को क्षय होयवे सूं आज ।



## पौष कृष्ण पक्ष (गुज. मागशर वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			दिसंबर २०२६ - जनवरी - २०२७
तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमंत - शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	गुरु	२४	इष्टि:   श्री गुसाईंजी के उत्सव की बधाई (८ दिन)
२	शुक्र	२५	-----
३	शनि	२६	-----
४	रवि	२७	-----
५	सोम	२८	-----
६	मंगल	२९	-----
७	बुध	३०	-----
८	गुरु	३१	-----
९	शुक्र	०१	जनवरी - २०२७   प्रभुचरण श्री विठ्ठलनाथजी (श्री गुसाईंजी) को उत्सव (संवत् १५७२)
१०	शनि	०२	-----
११	रवि	०३	सफला एकादशी व्रत   आज के दिन प्रभु को विशेषतः फल भोग में धरनो   श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) के उत्सव की बधाई
१२	सोम	०४	सफेद घटा एवं सखडी को तृतीय मंगलभोग
१३	मंगल	०५	-----
१४	बुध	०६	श्री यदुनाथजी (टिकेत ९) को उत्सव (संवत् १८६९)   छप्पन भोग उत्सव (संवत् २०७४) विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत
३०	गुरु	०७	दर्श अमावस्या



## पोष शुक्ल पक्ष (गुज. पोष सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			जनवरी - २०२७
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शुक्र	०८	इष्टिः ।
२	शनि	०९	-----
३	रवि	१०	तृतिया की वृद्धि ।
३	सोम	११	-----
४	मंगल	१२	-----
५	बुध	१३	-----
६	गुरु	१४	श्रीमहाप्रभुजी (नरोडा बैठक) को पाटोत्सव । धनुर्मास की समाप्ति । भोगी उत्सव ।
७	शुक्र	१५	मकर संक्रांति । तिल की सामग्री अवश्य भोग धरनी । तिल के दान भक्षणदि करने। तिलवा भोग गोपीवल्लभ अथवा राजभोग में धरने । ता पीछे दान- श्राद्धादि करने । पुण्यकाल आज सूर्योदय से लेके दिनके ३.२३ पर्यन्त है ।
८	शनि	१६	-----
९	रवि	१७	-----
१०	सोम	१८	श्री बालकृष्णलालजी (श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज - कांकरोली) को उत्सव (सं. १९९६)
११	मंगल	१९	पुत्रदा एकादशी व्रत ।
१३	बुध	२०	मेघश्याम घटा । सखडी को चतुर्थ मंगल भोग ।
१४	गुरु	२१	-----
१५	शुक्र	२२	पूर्णिमा । छप्पनभोग उत्सव (संवत् २०१५) श्री कृष्णावती बहुजी महाराज कृत । माघस्नानारंभ ।



## माघ कृष्ण पक्ष (गुज. पोष वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			जनवरी - फरवरी - २०२७
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	शनि	२३	-----
२	रवि	२४	-----
३	सोम	२५	चतुर्थी को क्षय ।
५	मंगल	२६	-----
६	बुध	२७	-----
७	गुरु	२८	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणरायप्रभु, श्री महाप्रभुजी बेठक - नरोडा पधारे । विद्यमान ष.गृ.गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत् २०७६) ।
८	शुक्र	२९	-----
९	शनि	३०	-----
१०	रवि	३१	दशमी की वृद्धी तिथी ।
१०	सोम	०१	फरवरी ।
११	मंगल	०२	षट्तिहा एकादशी व्रत । गो.श्री आश्रयकुमारजी(वल्लभलालजी) को विवाह उत्सव ।
१२	बुध	०३	लाल घटा ।
१३	गुरु	०४	-----
१४	शुक्र	०५	-----
३०	शनि	०६	दर्श अमावस्या ।



## माघ शुक्ल पक्ष (गुज. महा सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			फरवरी - 2027
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	07	इष्टि:   छप्पनभोग उत्सव - गो.श्री वल्लभलालजी (चि.आश्रयकुमारजी)के विवाह उपलक्ष निज गृह (बडौदा) में विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं. २०७६)
२	सोम	08	-----
3	मंगल	09	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री गोकुलचंद्रमाजी बडौदा निज गृह में विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं. २०७०)
४	बुध	10	-----
५	गुरु	11	वसंत पंचमी ।
६	शुक्र	12	-----
७	शनि	13	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री मदनमोहनजी बडौदा निज गृह में विद्यमान टिकेत गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(सं.२०६२)। छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु संग श्री लाडीलेशजी (सुरत) बडौदा निज गृह में विद्यमान टिकेत गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत(सं.२०६३)
८	रवि	14	-----
९	सोम	15	-----
१०	मंगल	16	-----
११	बुध	17	जया एकादशी व्रत ।
१२	गुरु	18	-----
१३	शुक्र	19	-----
१४	शनि	20	पूर्णिमा को क्षय । माघी पूर्णिमा । माघ स्नान समाप्ति । होरी दण्डा रोपण - सूर्यास्त सायं ६.३९ पश्चात याही समय धमार को आरंभ ।



## फाल्गुन कृष्ण पक्ष (गुज. महा वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			फरवरी - मार्च - २०२७
तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर - वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	२१	इष्टि:   छप्पनभोग उत्सव - पुष्टि पर्व अंतर्गत श्री कल्याणराय प्रभु नरोडा श्री महाप्रभुजी बैठक पधारे विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं.२०६८) छप्पनभोग उत्सव - गो. श्री विठ्ठलनाथजी (चि. शरणमकुमारजी) के विवाह उपलक्ष निजगृह (बडौदा) में विद्यमान ष.गृ. गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (सं.२०७९) ।
२	सोम	२२	षष्ठ निधि श्री कल्याणराय प्रभु एवं सप्तम निधि श्री मदनमोहनजी संग में विवाह मनोरथ में बिराजे - षष्ठगृह बडौदा (सं २०७९) ।
३	मंगल	२३	श्री कल्याणराय प्रभु एवं श्रीनटवरलाल प्रभु संग असारवा बैठक में बगीचा मनोरथ में बिराजे (सं २०६८)
४	बुध	२४	गो. श्री विठ्ठलनाथजी(चि.शरणमकुमारजी) को विवाह उत्सव (सं.२०७९)
५	गुरु	२५	-----
६	शुक्र	२६	छप्पनभोग उत्सव - श्री कल्याणराय प्रभु श्री कल्याणपुष्टि हवेली (अहमदाबाद) में विद्यमान ष.गृ. गो. श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री कृत (संवत् २०६८) ।
७	शनि	२७	श्रीनाथजी को पाटोत्सव ।
८	रवि	२८	-----
९	सोम	०१	मार्च ।
१०	मंगल	०२	-----
११	बुध	०३	एकादशी की वृद्धि ।
१२	गुरु	०४	विजया एकादशी व्रत ।
१३	शुक्र	०५	जन्मदिन चि. गो. श्री वल्लभलालजी (गो. श्री आश्रयकुमारजी) (संवत् २०५३) ।
१४	शनि	०६	शिवरात्री ।
१५	रवि	०७	-----
३०	सोम	०८	सोमवती अमावस ।



## फाल्गुन शुक्ल पक्ष (गुज. फागण सुद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			मार्च - २०२७	
तिथि	वार	दि.	उत्सव	वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	०९	इष्टिः ।	
२	बुध	१०	-----	
३	गुरु	११	-----	
४	शुक्र	१२	-----	
५	शनि	१३	नि.ली.श्री वल्लभलालजी एवं नि.ली.श्री कृष्णावती बहुजी महाराज को विवाह उत्सव । बगीचा ।	
६	रवि	१४	-----	
७	सोम	१५	श्री मथुराधीशजी को पाटोत्सव (कोटा) ।	
८	मंगल	१६	होलिकाष्टकारम्भ । श्री शरणमकुमारजी के पुत्र चि. श्री गोवर्धनरायजी (श्री गोपीनाथजी)को जन्मदिन (२०८१) । नवमी को क्षय ।	
९०	बुध	१७	-----	
९१	गुरु	१८	आमलकी एकादशी व्रत, कुंज एकादशी ।	
९२	शुक्र	१९	-----	
९३	शनि	२०	बगीचा तेरस ।	
९४	रवि	२१	होली । होलीका प्रदीपन प्रातः मंगल भोग के भद्रा निवृत्ति ५.१६ पश्चात तथा सूर्योदययात् ६.३८ पूर्व करनो ।	
९५	सोम	२२	धुरेण्डी । दोलोत्सव ।	



## चैत्र कृष्ण पक्ष (गुज. फागण वद)

श्री वल्लभाब्द ५४९

संवत् २०८३			मार्च - अप्रेल - २०२७	
तिथि	वार	दि.	उत्सव	वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	२३	इष्टिः । द्वितीया पाट ।	
२	बुध	२४	-----	
३	गुरु	२५	-----	
४	शुक्र	२६	-----	
५	शनि	२७	रंगपंचमी ।	
६	रवि	२८	-----	
७	सोम	२९	-----	
८	मंगल	३०	-----	
९	बुध	३१	गुप्त उत्सव ।	
१०	गुरु	०१	अप्रेल ।	
११	शुक्र	०२	पापमोचनी एकादशी व्रत ।	
१२	शनि	०३	-----	
१३	रवि	०४	-----	
१४	सोम	०५	षष्ठ पुत्र श्री यदुनाथजी एवं आपके ज्येष्ठ आत्मज श्री मधुसुदनलालजी (टिकेत २) के उत्सव की बधाई ।	
३०	मंगल	०६	दर्श अमावस्या । व्रज वि.सं. २०८३ एवं शालिवाहन शक १९४८ समाप्त । वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात् ।	



## अधिकमास के दान को संकल्प

अधिक मास में नित्य अथवा पूर्वोक्त दिनन में ३३ पुवा अथवा पक्वान्न ३३ कांस्य के पात्रप में धरि के दक्षिणा सहित देने । बने तो घृत सुवर्ण तथा वस्त्र हूं संग देने ताको संकल्प आचमन करके करनो ।

विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्याज्ञया प्रवर्तमान स्याद्य ब्रह्मणो द्वितीय परद्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तमे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भूलोके जम्बूद्विपे भारतवर्षे आर्यावर्तान्तर्गत ब्रह्मावर्तैक देशे अमुक देशे बौद्धावतारे त्रय अशीतिः अधिकद्विसहस्र संख्याके वैक्रमाब्दे सिद्धार्थिनाम संवत्सरे (नर्मदा) के दक्षिण तीर सूं लेके अष्टाचत्वारिंशत्युत्तर एकोन विंशतिशततमे शालिवाहन शाके पराभवनाम संवत्सरे ऐसो कहनो ।

ग्रीष्मऋतौ अधिक ज्येष्ठे पुरुषोत्तम मासे अमुकपक्षे अमुकतिथौ अमुक वासरान्वितायाममुकनक्षत्रे अमुक योगे अमुक करणे अमुकराशि स्थिते श्रीचन्द्रे वृष राशि स्थिते श्रीसूर्ये मिथुन राशि स्थिते श्री देवगुरौ अधिक ज्येष्ठ कृष्ण २ मंगलवारतः कर्क राशि स्थिते श्री देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा राशि स्थान स्थितेषु सत्स्वेवं ग्रहगुण विशेषण विशिष्टायां शुभ पुण्यतिथौ मम वर्षत्रयोपार्जित कायिक, वाचिक, मानसिक, सांसर्गिक समस्त पापक्षयार्थं पुराणोक्त शुभ फल प्राप्त्यर्थं श्रीगोपीजनवल्लभ प्रीत्यर्थमिमांस्त्रयस्त्रिंशद् पूपान् सहिरण्यान् सवस्त्रान् सदक्षिणान् यथानामगोत्राय यस्मै कस्मैचिद् ब्राह्मणाय दातुमहमुत्सृज्ये तेन पुण्येन भगवान् सर्वात्मा श्रीगोपीजनवल्लभः प्रीयताम् अपूप के ठिकाने पक्वान्न होय तो “अपूपस्थानापन्न पक्वानि” ऐसो कहनो और धृत हिरण्यवस्त्रन में सूं न होय । ताके नाम को उच्चारण न करनो ।



## दान के श्लोक

विष्णुरुपी सहस्रांशुः सर्वपापप्रणाशनः ।

अपूपान्नप्रदानेन मम पापं व्यपोहतु ॥१॥

नारायण जगद्बीज भास्करप्रतिरुपघृक् ।

दानेनाऽनेन पुत्रांश्च सम्पदं चाभिवर्द्धय ॥२॥

यस्य हस्ते गदाचक्रे गरुडो यस्य वाहनः ।

शंख करतले यस्य स मे विष्णुः प्रसीदतु ॥३॥

कलाकष्टादिरुपेण निमेषघटिकादिना ।

यो वंचयति भूतानि तस्मै कालात्मने नमः ॥४॥

कुरुक्षेत्रसमो देशः कालः पर्व द्विजो हरिः ।

पृथ्वीसममिदं दानं गृहाण पुरुषोत्तम ॥५॥

मलानां च विशुद्धयर्थं पापप्रशमनाय च ।

पुत्रपौत्रभिवृद्धयर्थं तव दास्यामि भास्कर ॥६॥

पूवा देने होय तो प्रथम श्लोक में अपूपान्न प्रदानेन है सो ही कहनो और पक्वान्न देने होय तो पक्वान्नां प्रदानेन ऐसो कहनो पुरुषोत्तम मास के स्नान दानादि नियम नित्य न बन सके तो हूँ वदि ११ गुरुवार सूं ३० सोमवार पर्यन्त इन ५ दिनन में अवश्य करनो चाहिये ।

दान नित्य न बन सके तो हूँ दोऊ द्वादशी, पूर्णिमा, अमावस्या, व्यतीपात इन पाँच पर्वन में अवश्य ही करनो । इन पर्वन में गोपूजन को बडो ही फल हैं ।



**श्राद्धपक्ष को निर्णय**  
**भाद्रपद कृष्ण पक्ष १, रविवार से आश्विन शुक्ल पक्ष १, रविवार तक**  
**(दिनांक 27.09.2026 से 11.10.2026 तक)**

तिथि	वार	दिनांक	श्राद्ध
आ.कृ. १	रवि	२७.०९	प्रतिपदा (एकम्) को श्राद्ध
आ.कृ. २	सोम	२८.०९	द्वितीया (दूज) को श्राद्ध
आ.कृ. ३	मंगल	२९.०९	तृतीया (तीज) को श्राद्ध एवं भरणी श्राद्ध
आ.कृ. ४	बुध	३०.०९	चतुर्थी (चौथ) एवं पंचमी (पाचम) को श्राद्ध
आ.कृ. ५	गुरु	०१.१०	षष्ठी (छठ) को श्राद्ध
आ.कृ. ६	शुक्र	०२.१०	सप्तमी (सातम) को श्राद्ध एवं व्यतीपात श्राद्ध
आ.कृ. ७	शनि	०३.१०	अष्टमी (आठम) को श्राद्ध
आ.कृ. ९	रवि	०४.१०	नवमी (नवम) को श्राद्ध व अविधवा नवमी
आ.कृ. १०	सोम	०५.१०	दशमी (दशम) को श्राद्ध
आ.कृ. ११	मंगल	०६.१०	एकादशी (ग्यारस) को श्राद्ध
आ.कृ. १२	बुध	०७.१०	द्वादशी (बारस) को श्राद्ध एवं सन्यासीन को श्राद्ध एवं मघा श्राद्ध
आ.कृ. १३	गुरु	०८.१०	त्रयोदशी (तेरस) को श्राद्ध
आ.कृ. १४	शुक्र	०९.१०	चतुर्दशी (चौदस) निमित्तक घायलन को श्राद्ध, जल शस्त्र आदि सूं मरण पायो होय उनके ही या दिन श्राद्ध, मघा श्राद्ध
आ.कृ. ३०	शनि	१०.१०	अमावस तथा सर्वपितृ को श्राद्ध
आ.शु. १	रवि	११.१०	मातामह श्राद्ध

विशेष : १. जाकी मरण तिथि चतुर्दशी अथवा पूर्णिमा होय ताको महालय श्राद्ध अष्टमी, द्वादशी,

अमावस्या, व्यतीपात या में सूं कोई भी दिन करना प्रशस्त है ।

२. षष्ठी शुक्र कूं व्यतीपात योग होय वे सूं यह दिवस श्राद्धादिक में विशेष प्रशस्त है ।

कोई भी तिथि को श्राद्ध रहि गयो होय या रही जायवे को सम्भव होय तो ताको श्राद्ध या दिवस करना ।

॥ इति श्राद्धपक्ष निर्णय समाप्त ॥



## श्राद्धपक्ष को संकल्प

ॐ विष्णुः ३ श्रीमद् भगवतो महापुरुषस्य विष्णोरज्ञया प्रवर्त्तमान स्याद्य  
ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्री श्वेतवाराह कल्पे वैवस्वत मन्वन्तरेऽष्टा विंशति तमे कलियुगे  
कलि प्रथम चरणे भूलोके जंबूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तान्तर्गते ब्रह्मावर्तके देशे अमुक देशे  
बौद्धावतारे कालनाम्नि द्वयशीतिः अधिक द्विसहस्र संख्या के वैक्रमाब्दे शकानुसारेण  
विश्वावसु नाम्नि संवत्से दक्षिणायने शरद ऋतौ आश्विन मासे (गुर्जर भाद्रपद मासे)  
कृष्णपक्षे अमुक तिथौ वासरान्वितायां नक्षत्र, योगे, करणे अमुक राशि स्थिते श्रीसूर्ये,  
सिंह राशि स्थिते श्रीसूर्ये एकादशीतः कन्या राशि स्थिते श्रीसूर्ये मिथुन राशि स्थिते श्री  
देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा राशि स्थान स्थितेषु सत्त्वेवं ग्रह गुणा विशेषण विशिष्टायां शुभ  
पुण्यतिथौ मम (नाम सम्बन्धोच्चारण) एतेषां यथानाम् गोत्र रुपाणां पुरुष विषये  
सपत्नीकानां स्त्रीविषये सभर्तृक सपत्न्याम् विधिना महालयापर पक्ष श्राद्धमथवा  
सकृन्महालया पर पक्ष श्राद्ध सदैव सद्यः करिष्ये ।



# वर्ष पर्यंत की एकादशी

दिनांक	वार	तिथि	एकादशी
29.03.2026	रविवार	चैत्र सुद	कामदा एकादशी
13.04.2026	सोमवार	चैत्र वद	वरुथिनी एकादशी
27.04.2026	सोमवार	वैशाख सुद	मोहिनी एकादशी
13.05.2026	बुधवार	वैशाख वद	अपरा एकादशी
27.05.2026	बुधवार	अधिक ज्येष्ठ सुद	कमला एकादशी
11.06.2026	गुरुवार	अधिक ज्येष्ठ सुद	कमला एकादशी
25.06.2026	गुरुवार	निज ज्येष्ठ सुद	निर्जला एकादशी
12.07.2026	शनिवार	निज ज्येष्ठ वद	योगिनी एकादशी
25.07.2026	शनिवार	अषाढ सुद	देवशयनी एकादशी
09.08.2026	रविवार	अषाढ वद	कामिका एकादशी
24.08.2026	सोमवार	श्रावण सुद	पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी
07.09.2026	सोमवार	श्रावण वद	अजा एकादशी
22.09.2026	मंगलवार	भाद्रवा सुद	परिवर्तिनी (दान) एकादशी
06.10.2026	मंगलवार	भाद्रवा वद	इन्दिरा एकादशी
22.10.2026	गुरुवार	आसो सुद	पाशांकुशा एकादशी
05.11.2026	गुरुवार	आसो वद	रमा एकादशी
21.11.2026	शनिवार	कार्तिक सुद	देव प्रबोधिनी एकादशी (तुलसी विवाह)
04.12.2026	शुक्रवार	कार्तिक वद	उत्पत्ति एकादशी
20.12.2026	रविवार	मागशर सुद	मोक्षदा एकादशी
03.01.2027	रविवार	मागशर वद	सफला एकादशी
19.01.2027	मंगलवार	पोष सुद	पुत्रदा एकादशी
02.02.2027	मंगलवार	पोष वद	षट्तिला एकादशी
17.02.2027	बुधवार	महा सुद	जया एकादशी
04.03.2027	गुरुवार	महा वद	विजया एकादशी
18.03.2027	गुरुवार	फागण सुद	आमलकी (कुंज) एकादशी
02.04.2027	शुक्रवार	फागण वद	पापमोचनी एकादशी



॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

## वर्ष पर्यन्त के तिलक एवं पीताम्बर की सूची

उत्सव	तिलक	पीताम्बर	समय	विशेष
जन्माष्टमी	✓	✓	श्रृंगार	श्री पादुकाजी कुं तिलक होय पितांबर नही पंचामृत समय चोकी पे तिलक होय
राधाष्टमी	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं तिलक होय पितांबर नही
वामन जयंति	—	✓	राजभोग	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही, और सर्वत्र धरें
दशहरा	✓	—	निर्णय अनुसार	सभी स्वरुप कुं तिलक होवें
रुप चतुर्दशी	✓	—	अभ्यंग समय	अभ्यंग समय स्नान चोकी पे तिलक होय
अन्नकुट	✓	—	भोग समय	शिखर, गुंजा पधराके तिलक करनो
भाई दुज	✓	—	राजभोग आरोगे तब	थाल सान के तिलक होय
प्रबोधिनी	—	—	निर्णय अनुसार	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय
श्री गुसाईंजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
श्री यदुनाथजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
रामनवमी जयंति	—	✓	शयन	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही, और सर्वत्र धरें
श्री महाप्रभुजी को उत्सव	✓	✓	राजभोग	श्री पादुकाजी कुं भी पीताम्बर तिलक होय
नृसिंह जयंति	—	✓	संध्या	तिलक श्री शालीग्रामजी कुं होय श्री पादुकाजी कुं पीतांबर नही, और सर्वत्र धरें
स्नानानयात्रा	✓	—	स्नान समय	सबेरे स्नान समय चोकी पे तिलक होय
रक्षाबंधन	✓	—	निर्णय अनुसार	रक्षा धरे तब



# वर्ष पर्यन्त के श्री प्रभुके अभ्यंग की सूचि

१. जन्माष्टमी
२. राधाष्टमी
३. वामन जयंति  
जो दान एकादशी तथा वामन जयंति अलग होय तो वामन जयंति-द्वादशी कुं करने
४. प्रथम विलास
५. दशहरा
६. रुपचतुर्दशी
७. भाईदुज
८. प्रबोधीनी
९. श्री गुंसाईजी को उत्सव
१०. भोगी संक्रान्त
११. वसंत पंचमी
१२. होरी डंडारोपण (पूर्णिमा)
१३. होरी
१४. द्वितीया पाटोत्सव
१५. श्री यदुनाथजी को उत्सव
१६. राम नवमी
१७. श्री महाप्रभुजी को उत्सव
१८. अक्षय तृतीया
१९. नृसिंह जयंति
२०. गंगा दशमी
२१. रथयात्रा
२२. कसुंबा छट्ट
२३. आषाढी पूर्णिमा
२४. पवित्रा एकादशी



# प्रधान षष्ठगृह की वंशावली

जगद्गुरु श्रीमद् श्री वल्लभाचार्य महाप्रभु (सवंत १५३५)



श्री विड्डलनाथजी गुसांइजी (सवंत १५७२)



षष्ठ कुमार श्री यदुनाथजी महाराज (सवंत १६१५)



ष.गृ.ति. २ श्री मधुसूदनजी (१६३४)



ष.गृ.ति. ३ श्री प्रद्युमनजी (१६६०)



ष.गृ.ति. ४ श्री विड्डलनाथजी (१७१७)



ष.गृ.ति. ५ श्री प्रद्युमनजी (१७६२)



ष.गृ.ति. ६ श्री यदुनाथजी (१७८३)



ष.गृ.ति. ७ श्री गोकुलनाथजी (१८१७)



ष.गृ.ति. ८ श्री प्रद्युमनजी (१८३६)



ष.गृ.ति. ९ श्री यदुनाथजी (१८६९)



ष.गृ.ति. १० श्री वल्लभजी (१९०७)



ष.गृ.ति. ११ श्री गिरधरलालजी (१९२३)



ष.गृ.ति. १२ श्री वल्लभलालजी (१९६२)



ष.गृ.ति. १३ श्री गिरधरलालजी  
(श्री द्वारकेशलालजी) (२०२४)



श्री वल्लभलालजी

श्री विड्डलनाथजी

(चि आश्रयकुमारजी) (२०५३)

(चि शरणमकुमारजी) (२०५६)



श्री यदुपतिजी

श्री पद्युमनजी

श्री गोपीनाथजी

(चि यदुराजजी) (२०७७) (चि कृष्णराजजी) (२०८१)

(चि गोवर्धनरायजी) (२०८१)



## ॥ अथ श्री कल्याणरायाष्टकम् ॥

आभीरनारी नयनोत्सवाय वृंदावनीयाद्भूतनर्तकाय ।  
पूर्णेन्दु रासोत्सवमंगलाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ॥ १ ॥

गोपांगनामण्डलमण्डिताय हस्ताब्जवंशी सुविभूषिताय ।  
कल्याणरागेङ्गीतभावनाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ॥ २ ॥

गोचारणव्याजवनेचराय रासेश्वरीमानह्वदिश्वराय ।  
ब्रह्मेशदेवेश जनेश्वराय कल्याणरायाय नमोऽपराय ॥ ३ ॥

वृन्दाटवीकुंजनिषेविताय गोपांगनाभावविभाविताय ।  
लीलाविलासे पशुपांगजाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ॥ ४ ॥

श्रीराधिकामुग्ध विलोचनाय लावण्यलक्ष्मीमवलंबिताय ।  
द्वैतस्य भाने विमलाद्वयाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ॥ ५ ॥

श्री कौस्तुभालंकृतविग्रहाय कालप्रभावे कृतनिग्रहाय ।  
श्रीवल्लभानुग्रहसंग्रहाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ॥ ६ ॥



मुक्तावलीभूषणभूषिताय राजीवनोत्राय चतुर्भुजाय ।  
पीताम्बरायोन्नतकंधराय कल्याणरायाय नमोऽपराय ॥ ७ ॥

ब्रजेश्वरानन्दफलप्रदाय भक्ताभिलाषापरिपूरकाय ।  
स्वीयेषु कामं सकलेष्टदाय कल्याणरायाय नमोऽपराय ॥ ८ ॥

कल्याणरायाष्टकमेतदेव भावेन नित्यं प्रपठेज्जनो यः ।  
तस्याशुतुष्टः सकलेष्टदः स्यादेतेन कल्याणनिधिं प्रपद्ये ॥ ९ ॥

इति श्री वल्लभाचार्यदासदासेन भाषितम् ।  
श्रीमत्कल्याणरायाणामष्टकं पूर्णतामगात् ॥ १० ॥

॥ श्री कल्याणमस्तु ॥

कर्ता - तृ.पी.गो. १०८ श्री ब्रजेशकुमारजी महाराजश्री  
(कांकरोली)



## वर्तमान गोस्वामि बालकन के जन्म दिन की गुर्जरमासानुसार सूचना

<b>श्री नाथद्वारा</b>			
फा.शु.७	गोस्वामि तिलकायित श्री १०८ <b>श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी)</b> महाराज, श्री इन्द्रदमनजी (श्री राकेशजी) के लालजी १	फा.शु.४	चि. श्री ब्रजोत्सवजी चि. ब्रजोत्सव जी के लालजी १
		वै.शु.१२	चि. ब्रजेश्वरजी
		वै.कृ.४	गो. दिव्येशजी
मार्ग.कृ.३०	चि.गो.श्री भूपेशकुमारजी (श्री विशाल बावा), चि.गो. श्री विशाल बावा के लालजी १		गो. श्री दिव्येश जी के लाल जी २
		चै.शु.१४	चि. श्री प्रिय ब्रजराय जी
फा.कृ.७	गो.चि. लाल गोविन्दजी (श्री अधिराज बावा)	का.शु.१०	चि. श्री अनुश्रुत जी
		<b>कांकरोली</b>	
आ.कृ.१३	गो. कल्याणराय जी गो. कल्याणराय जी के लालजी २	ज्ये.शु.५	गो. पुरुषोत्तमजी
		चै.कृ.४	गो. पीताम्बरजी
पौ.कृ.६	चि. श्रीहरिरायजी	वै.कृ.६	गो. त्रिलोकीभूषणजी
अश्वि.शु.६	चि. श्रीवागधीशजी		गो. पुरुषोत्तमजी के लालजी २
	चि.हरिरायजी के लालजी २	का.कृ.६	गो. श्रीब्रजभूषणजी
माघ शु.१३	चि.श्री वदान्य राय जी	का.शु.१०	गो. चि. श्रीविठ्ठलनाथजी
फा.शु.३	चि. द्विजराज जी		श्री पीताम्बरजी के लालजी १
पौष शु.५	गो. श्री गोकुलोत्सव जी श्री गोकुलोत्सव जी के लालजी १	ज्ये.शु.१४	चि. ब्रजालंकारजी



	गो. त्रिलोकीभूषणजी के लालजी १	श्रा.शु.६	चि. गो. मिलनकुमारजी
		चै.शु.६	चि. द्वारकेशलालजी
वै.कृ.१३	गो. चि. व्रजाभरणजी		श्री मिलनकुमारजी के लालजी १
	चि. व्रजाभरण जी के लालजी १	श्रा.कृ.२	चि. कृष्णास्य बावा
भा.शु.२	चि.रणछोड़ राय जी	<b>कोटा-कड़ी</b>	
आ.सु.६	गो. रविकुमारजी	भा.कृ.६	चि. व्रजेशकुमारजी
	गो. रविकुमारजी के लालजी २	माघ.व.१०	गो. चि. घनश्यामलालजी
		आसो.सु.१०	गो. दामोदरलालजी
श्रा.सु.३०	चि. मधुरमजी	चै.व.१२	गो. चि. वल्लभलालजी
माघ व.४	चि. प्रियम बावा		गो. वल्लभलालजी के लालजी १
पौ.सु.६	गो. संजीव कुमार जी गो. संजीव कुमार जी के लालजी १	आषा.सु.८	चि. पुरुषोत्तमजी
			घनश्यामलालजी के लालजी २
मार्ग.कृ.४	चि. विट्ठलनाथजी	फा.शु.७	गो.चि. कृष्णकुमारजी
<b>जतीपुरा</b>			गो.चि. कृष्णकुमारजी के लालजी १
वै.कृ.६	गो. लालमणीजी लालमणीजी के लालजी २	पौ.व.११	गो.चि. व्रजपाललालजी



फा.शु.११	चि. कुंजेशकुमारजी गो. चि. कुंजेशकुमारजी के लालजी २	मार्ग कृ.१३	चि. व्रजराजजी
			चि. दामोदरलालजी के लालजी २
मार्ग.व.२	गो.चि. गोविन्दरायजी	श्रा.व.१२	चि. हरिरायजी
आश्वि.व.३	गो.चि. गोकुलमणीजी		चि. हरिरायजी के लालजी १
आसो.व.३	गो. विनयकुमारजी	माघ कृ.१३	चि. गोकुलेश्वरजी
आषा.व.४	गो. शरदकुमारजी गो. शरदकुमारजी के लालजी १	ज्ये.व.१०	चि. दर्शन कुमारजी
			चि. दर्शनकुमार जी के लालजी २
चै.शु.१४	चि. पुलकित बाबा	ज्ये.व.४	चि. व्रजाधीशजी
श्रा.सु.७	गो. त्रिलोकीभूषणजी त्रिलोकीभूषणजी के लालजी १	मा.कृ.७	चि. व्रजाधीपजी
		<b>कामवन</b>	
ज्ये.कृ.१	राजीवल्लोचनजी	फा.सु.२	गो. श्री वल्लभलालजी गो. श्री वल्लभलालजी के लालजी २
	व्रजेशकुमारजी के लालजी ३		
चै.शु.६	चि. यदुनाथजी चि. यदुनाथजी के लालजी १	भा.कृ.२	चि. श्री देवकीनंदनजी
		श्रा.कृ.१०	चि. श्री विट्ठलनाथजी
पौ.कृ.५	चि. प्रद्युम्नजी	<b>कामवन/सूरत</b>	
कार्ति.सु.१०	चि. द्वारकेशजी	आ.कृ.१४	गो. श्री द्वारकेशलालजी गो.श्रीद्वारकेशलालजी के लालजी २
कार्ति.सु.७	चि. जयदेवजी चि. जयदेवजी के लालजी १	फा.शु.३	चि. श्री अनिरुद्धलालजी



श्रा.कृ.१३	चि. श्री कन्हैयालालजी	चै.कृ.१३	गो. श्री रघुनाथलालजी गो. श्री रघुनाथलालजी के लालजी २
	चि. श्री अनिरुद्धलालजी के लालजी २		
श्रा.कृ.४	चि. श्री गोविन्दजी	मार्ग.शु.६	चि. श्री गिरधरजी
का.शु.७	चि. श्री गोकुलचन्द्र जी	श्रा.कृ.५	चि. श्री दामोदर जी,
	चि. श्री कन्हैयालालजी के लालजी १	<b>कामवन</b>	
का.शु.१०	चि. श्री जयदेवजी	आष.सु.११	गो. ब्रजेशकुमारजी
<b>कामवन/भावनगर</b>			गो. ब्रजेशकुमारजी के लालजी १
भा.शु.१	गो. श्री नवनीतलालजी	आ.कृ.६	गो. चि. अनिरुद्धजी चि. अनिरुद्धजी के लालजी १
	गो. श्री नवनीतलालजी के लालजी १		
का.शु.१	चि. श्री गोकुलेशजी	मा.कृ.६	चि. रमणजी (रसेश जी)
<b>कामवन/घाटकोपर</b>		श्रा.व.३	गो. गोपाललालजी
का.कृ.११	गो. मुरलीधर जी गो. मुरलीधरलालजी के लालजी १	आसो.व.१२	गो. कल्याणरायजी
		माघ सु.४	गो. योगेशकुमारजी गो. योगेशकुमारजी के लालजी २
मार्ग.शु.४	चि. श्री जयदेवलालजी	आ.व.१३	चि. श्रीव्रजोत्सवजी



श्रा.कृ.३०	चि. ब्रजपालजी	आसो.व.६	गो. ब्रजेशकुमारजी
भा.सु.१४	गो. शिशिरकुमारजी		गो. ब्रजेशकुमार जी के लालजी १
	गो. चि. गोपालजी के लालजी १	माघ व.६	चि. रसिकप्रितमजी
आसो.व.४	चि. हरिरायजी	श्रा.व.८	चि. श्रीगोकुलेशजी
	गो.चि.कल्याणरायजी के लालजी १	<b>सूरत</b>	
		मार्ग.सु.११	गो. वल्लभलालजी
भा.व.१	गो. चि. उपेन्द्रजी	आषा.व.४	गो. गोपेश्वरजी
	गो. चि. उपेन्द्रजी के लालजी २	पौ.व.३	गो. मुकुन्दरायजी
			गो. वल्लभलालजी के लालजी १
का.कृ.५	चि. वल्लभलालजी		
का.कृ.५	चि. घनश्यामलालजी	आसो.व.१	चि. अनुरागजी
<b>गोकुल</b>			गो. गोपेश्वरजी के लालजी १
का.व.१०	गो. देवकीनन्दनजी गो. देवकीनन्दन के लालजी २	फा.व.६	चि. वत्सलराजजी
			चि. अनुरागरायजी के लालजी १
मा.व.३०	चि. वल्लभलालजी		
का.सु.२	चि. विट्ठलनाथजी	आसो.व.७	चि. पुरुषोत्तमरायजी
<b>वीरमगाम</b>			गो. मुकुन्दराय जी के लालजी १
आसो.व.१४	गो. रघुनाथ जी	आसो.कृ.१२	चि. पीताम्बर रायजी



<b>बड़ोदरा, शेरगढ़</b>			गो. ब्रजरत्नजी के लालजी १
का.व.४	गो. द्वारकेशजी	अश्वि.सु.७	चि. गोकुलोत्सवजी
	गो. द्वारकेश जी के लालजी २		गो. नवनीतलालजी के लालजी १
मा.व.१२	चि. आश्रयकुमार जी		
ज्ये.सु.८	चि. शरणकुमार जी	ज्ये.सु.१०	चि. अंजनरायजी
	चि. आश्रयकुमार जी के लालजी २		गो. बालकृष्णजी के लालजी १
का.कृ.४	चि. यदुराजजी		
आषा.कृ.८	चि. कृष्णराजजी	पौ.सु.१	चि. प्रियांकजी
	चि. शरणमूकुमारजी के लालजी १		गो. उत्सवजी के लालजी २
फा.सु.८	चि. गोवर्धनरायजी	श्रा.व.१२	चि. रसज्ञजी
		का.व.१	चि. सर्वज्ञजी
			चि. ब्रजवल्लभजी के लालजी २
<b>बड़ोदरा, सूरत</b>			
चै.सु.११	गो. मथुरेशजी	वै.व.३	चि. रसार्द्रजी
पौ.व.५	गो. प्रभुजी	भा.सु.३	चि. प्रेमार्द्रजी
	गो. मथुरेशजी के लालजी २		चि. गोकुलोत्सवजी के लालजी १
भा.सु.६	चि. योगेशकुमारजी		
भा.व.२	चि. द्रुमिलकुमारजी	चै.सु.६	चि. कृष्णस्यजी
	गो. द्रुमिलकुमारजी के लालजी १		चि. प्रियांकजी के लालजी १
	चि. ब्रजराजकुमारजी	वै.सु.५	चि. अभ्यंगजी
<b>चापासेनी-जामनगर-नडियाद</b>		<b>मथुरा</b>	
ज्ये.सु.५	गो. हरिरायजी	पौ.व.६	गो. प्राणवल्लभजी गो. प्राणवल्लभलालजी के लालजी २
फा.व.१४	गो. ब्रजरत्नजी		
पौष सु.६	गो. नवनीतरायजी	का.शु.११	चि. ब्रजवल्लभजी
आषा.सु.८	गो. बालकृष्णजी		
आषा.सु.१५	गो. मुकुट बावा	चै.व.११	चि. जयवल्लभ जी
फा.व.१२	गो. शरदवल्लभजी		चि. ब्रजवल्लभजी के लालजी १
फा.व.५	गो. उत्सवजी		
आश्वि.शु.६	चि. पुरुषोत्तमजी	वै.कृ.११	चि. कृतार्थ बावा
का.शु.४	चि. गोपेशजी	भा.सु.५	गो. रसिकवल्लभजी
	गो. हरिरायजी के लालजी १		
का.व.१२	चि. ब्रजवल्लभजी		



	गो. रसिकवल्लभ जी के लालजी २	भा.सु.८	चि. अभिषेककुमारजी
मा.शु.५	चि. समर्पण बावा		चि. अभिषेककुमारजी के लालजी १
आ.सु.६	चि. प्रागट्य कुमार जी	आषा.कृ.१३	चि. रक्षितकुमारजी
आषा.सु.१४	गो. शरदकुमारजी गो. शरदकुमारजी के लालजी ३	भा.सु.४	चि. रत्नेशकुमारजी
माघ व.६	चि. गोपाललालजी		चि. रत्नेशकुमारजी के लालजी १
	चि. गोपाललालजी के लालजी १	वै.शु.२	चि. यदुनाथजी
फा.कृ.१२	चि. अक्षतकुमारजी	मार्ग.व.२	गो. संदीपकुमारजी
का.सु.५	चि. ब्रजभूषणलालजी	आसो.सु.१	गो. प्रणयकुमारजी
	चि. ब्रजभूषणलालजी के लालजी १		गो. प्रणयकुमारजी के लालजी २
आश्वि.शु.४	चि. ऋषभकुमारजी	फा.शु.१२	गो.चि. श्री अलंकारजी
ज्ये.सु.११	गो. प्रबोधकुमारजी	फा.शु.७	गो.चि. वृजरायजी
	गो. प्रबोधकुमारजी के लालजी २	पौ.व.६	गो. परितोषकुमारजी



मार्ग.व.८	गो. पंकजकुमारजी	ज्ये.सु.२	गो. चि. निवेदन बावा
<b>वाराणसी</b>		आ.व.१०	गो.चि. आभुषणजी बावा
मार्ग.सु.२	श्याम मनोहरजी	<b>मुम्बई</b>	
	गो. श्याममनोहरजी के लालजी १	आ.सु.५	गो. मनमथरायजी
			गो. मनमथरायजी के लालजी १
मार्ग.कृ.६	गो. चि. प्रियेन्दु बावा, गो. चि. प्रियेन्दु बावा के लालजी २	भाद्र.व.१०	चि. मिथुनरायजी
		मार्ग.व.६	गो. नीरजकुमारजी
			गो. नीरजकुमारजी के लालजी १
मार्ग.कृ.१३	चि. परिवृद्ध बावा	वै.व.१४	चि. गोविन्दरायजी
माघ.कृ.१०	श्री श्रृंगार बाबा	का.व.१३	गो. रमेशचन्द्रजी
<b>अहमदाबाद</b>		माघ सु.६	गो. रमेशचन्द्रजी के लालजी १
का.सु.१२	चि. व्रजेन्द्रकुमारजी	माघ व.६	चि. रघुनाथजी
	गो. व्रजेन्द्रकुमारजी के लालजी २		चि. रघुनाथजी के लालजी २
आसो.व.१०	चि. तिलक बावा	भा.सु.५	चि. गोपीनाथजी दिक्षीत
आशिव.शु.१	गो.चि. आभरण बावा		चि. गोपीनाथजी दिक्षीत के लालजी १
	गो.चि. तिलक बावा के लालजी २	पौ.व.१३	चि. गोवर्धनेशजी
		मार्ग.सु.२	चि. नागरमोहनजी



माघ व.६	गो. यदुनाथजी	मार्ग.व.४	गो. हृषीकेशजी
फा.सु.१५	गो. गोकुलनाथजी		गो. हृषीकेशजी के लालजी २
	गो. कृष्णजीवनजी के लालजी ५	आसो.सु.१	गो. राजीवलोचनजी
पौ.व.४	गो. मधूसुदन जी	वै.सु.७	रविरायजी
आषा.सु.२	गो. कृष्णकान्तजी	वै.व.४	गो. योगेशकुमारजी
	चि. कृष्णकान्त जी के लालजी १		गो. योगेशकुमारजी के लालजी १
श्रा.शु.११	चि. गिरिधरलालजी	भा.व.३०	चि. बालकृष्णलालजी
मार्ग.सु.४	गो. गोकुलनाथजी	का.व.४	गो. कमलेशकुमारजी गो. कमलेशकुमारजी के लालजी १
माघ.सु.६	गो. घनश्यामलालजी		
	गो. घनश्यामलाल जी के लालजी १	फा.व.६	चि. मुकुन्दरायजी
		आसो.सु.१	गो. मनमोहनजी
भा.कृ.८	चि. वृजानंदलालजी	आषा.व.३०	गो. हिरण्यगर्भजी गो. हिरण्यगर्भजी के लालजी १
आषा.सु.११	गो. ललितत्रिभंगीजी		
	गो. ललितत्रिभंगीजी के लालजी १	आ.कृ.११	चि. हैयंगवीनजी
फा.सु.८	चि. ब्रजवल्लभलालजी		गो. मधुदसूदनजी के लालजी २



चै.सु.१०	चि. कृष्णचन्द्रजी	आसो.सु.१३	चि. शिशिरकुमारजी
आसो.सु.११	गो. गोपिकालंकारजी		चि. शिशिरकुमारजी के लालजी १
	गो. गोपिकालंकारजी के लालजी २	पौ.कृ.५	चि. मुरलीमनोहरजी
<b>मुम्बई-वेरावल-पोरबन्दर</b>			
मा.व.१०	चि. गो. श्री भक्तवत्सल बावा	माघ सु.८	गो. माधवरायजी
फा.व.२	चि. गो. श्री तिलकराय बावा	मार्ग.सु.६	गो. चन्द्रगोपालजी
<b>कान्दीवली-मुम्बई</b>			
ज्ये.सु.२	गो. द्वारकेशलालजी		गो. चन्द्रगोपालजी के लालजी १
कार्ति.सु.७	गो. पुरुषोत्तमजी	श्रा.कृ.६	चि. अनिरुद्धलालजी चि. अनिरुद्धलालजी के लालजी १
	गो. पुरुषोत्तमजी के लालजी १	भा.सु.७	चि. स्वानन्द बावा
आसो.व.२	गो. श्री विट्ठलराय जी	आसो.व.१४	गो. शैलेशकुमारजी
<b>मुम्बई विलेपार्ले</b>			
आसो.सु.३	गो. रसिकवल्लभजी		श्री शैलेशकुमारजी के लालजी १
चै.सु.६	गो. महेन्द्रकुमारजी	श्रा.सु.३	चि. लाडिलेशजी चि. लाडिलेशजी के लालजी १
	गो. रसिकवल्लभजी के लालजी १	चै.कृ.१३	चि. अविचलरायजी
			गो. माधवरायजी के लालजी १
		आषा.व.४	चि. मुरलीधरजी



बोरीवली-जामखंभालिया		ज्ये.सु.१५	गो. गोपिकालंकारजी
श्रा.व.१३	गो. राकेशकुमारजी		गो. गोपिकालंकारजी के लालजी १
	गो. मुरलीधरजी के लालजी ३	फा.सु.२	चि. गो. द्वारकेशलालजी
का.व.१३	गो. त्रिभंगीलालजी		गो. राजीवलोचनजी के लालजी ३
चै.व.११	गो. व्रजप्रियजी		
माघ व.१०	गो. व्रजनाथलालजी	आषा.व.५	चि. देवकीनन्दनजी
	गो. व्रजनाथलालजी के लालजी १		चि. देवकीनन्दनजी के लालजी १
		चै.व.११	चि. गो. वेदांग बावा
श्रा.सु.७	चि. ध्येयरायजी	ज्ये.सु.४	चि. कुंजरायजी
वै.सु.१३	गो. राजीवलोचनजी	श्रा.कृ.३	चि. गो. गिरिधरजी
मार्ग.सु.२	गो. गोविन्दरायजी		गो. त्रिभंगीलालजी के लालजी १
	गो. गोविन्दरायजी के लालजी १	का.सु.३	चि. यमुनेशकुमारजी
श्रा.सु.२	चि. रुचिरबाबा	<b>जूनागढ</b>	
	चि. रुचिरबाबा के लालजी १	श्रा.व.३	गो. दानीरायजी
का.व.८	चि. वल्लभलालजी		गो. दानीरायजी के लालजी ४



का.सु.५	चि. पुरुषोत्तमजी	वै.व.२	चि. यशोवर्द्धन जी
आषा.सु.११	गो. ब्रजेन्द्रकुमारजी		चि. यशोवर्द्धनजी के लालजी १
	चि. ब्रजेन्द्रकुमार जी के लालजी ३	वै.शु.११	चि. कल्याणरायजी
भा.व.१	चि. ब्रजनाथजी	<b>मांडवी, गोकुल, जूनागढ़, बम्बई, राजकोट, बड़ोदरा</b>	
आश्वि.व.१३	चि. मधुरेशजी	वै.सु.१४	गो. रणछोड़लालजी
		माघ व.६	गो. अनिरुद्धलालजी
चै.शु.६	चि. कृष्णराय जी		गो. अनिरुद्धजी के लालजी १
का.शु.१५	चि. विशालकुमारजी	वै.सु.१४	चि. रसिकरायजी
	विशालकुमारजी के लालजी १		चि. रसिकरायजी के लालजी १
मा.शु.७	अर्णव बावा	श्रा.कृ.७	चि. अचिन्त्य जी
<b>पूना-मद्रास</b>		आ.कृ.६	गो. चन्द्रगोपालजी
चै.सु.४	गो. अजयकुमार जी	का.सु.४	गो. भूषणजी
	गो. अजयकुमार जी के लालजी १		गो. चन्द्रगोपालजी के लालजी २
भा.कृ.६	चि. वागधीशकुमारजी	का.सु.१२	चि. अन्वयजी
फा.व.११	गो. भरतकुमारजी	श्रा.सु.५	चि. प्रत्यय जी
	गो. भरतकुमारजी के लालजी १		गो. भूषणजी के लालजी २



फा.कृ.३	चि. अव्ययजी	का.सु.६	गो. विशालकुमारजी
का.सु.८	चि. गोपालजी		गो. वसन्तकुमारजी के लालजी १
का.व.४	गो. ब्रजेन्द्रजी (जूनागढ)		
	गो. ब्रजेन्द्रजी के लालजी २	भा.व.१२	चि. श्रीकृष्णरायजी
का.कृ.२	चि. ब्रजवल्लभजी	फा.कृ.५	गो. अभिषेककुमारजी
पौ.कृ.७	चि. पुण्यश्लोकजी		गो. अभिषेककुमारजी के लालजी १
आशिव.कृ.७	गो. श्री सांरगजी (बडोदरा)		
	गो. श्री सांरगजी के लालजी १	चै.कृ.११	चि. द्वारकेशलालजी
फा.सु.१४	चि. उत्सव बावा	वै.शु.३	गो. अक्षयकुमारजी
<b>पोरबन्दर</b>			गो. अक्षयकुमारजी के लालजी १
वै.सु.७	गो. हरिरायजी हरिरायजी के लालजी १	का.शु.६	चि.रमणेशजी
मा.शु.११	चि. जयगोपालजी	आषा.सु.७	गो. मिलनकुमारजी
	चि. जयगोपालजी के लालजी १		गो. मिलनकुमारजी के लालजी ३
आशिव.कृ.१	चि.भावनेशरायजी		
<b>मथुरा-पोरबन्दर</b>		मार्ग.शु.८	चि. गोकुलनाथजी
मार्ग.व.१०	गो. रसिकरायजी	आशिव.कृ.६	चि. विट्टलेशरायजी
माघ व.१२	गो. वसन्तकुमारजी	आशिव.शु.११	चि. मथुरेशजी



# लीलास्थ गोस्वामि बालकन के उत्सव की गुर्जरभासानुसार सूचना

“श्रावण”			“भाद्रपद”		
व. १	श्री गोवर्द्धनलालजी	नाथद्वारा	सु. ४	श्री पुरुषोत्तमलालजी	चापासेनी
व. ७	श्री रणछोड़लालजी	बम्बई	सु. ७	श्री ब्रजरत्नलालजी	सूरत
व. ८	श्री कन्हैयालालजी	गोकुल	सु. ८	गो. ब्रजजीवनजी	कान्दीवली मुम्बई
व. ६	श्री कृष्णजीवनजी	चैन्नई	सु. ६	श्री पुरुषोत्तमलालजी	चापासेनी
व. ११	गो. कन्हैयालाल जी	विरमगाम	सु. १०	श्री दामोदरलालजी	बम्बई
व. १२	श्री प्रद्युम्नलालजी	वेटद्वार	सु. ११	श्री ब्रजवल्लभजी	जूनागढ
व. १४	श्री गोपाललालजी	कांकरोली	सु. १२	श्री गोकुलनाथजी	बम्बई
व. ३०	श्री कन्हैयालालजी	बम्बई	सु. १२	श्री अनिरुद्धलालजी	नडियाद
सु. २	श्री वल्लभलालजी	बम्बई	सु. १३	श्री पुरुषोत्तमलालजी	कोटा
सु. ११	श्री गिरधारीलालजी	मुम्बई	व. १	श्री मदनमोहनजी	मुम्बई
सु. १२	श्री विट्ठलेशरायजी	चापासेनी	व. ३	श्री गोवर्द्धनलालजी	बम्बई
सु. १२	श्री गोकुलेशजी	जूनागढ	व. ३	श्री दामोदरलालजी	मथुरा
			व. ४	श्री चन्द्रगोपालरायजी	बडौदरा सूरत



व.७	श्री वल्लभलालजी	बड़ौदा	व.१३	श्री ब्रजपाललालजी	मथुरा
व.७	श्री घनश्यामलालजी	सूरत	व.१४	श्री. जयदेवलाल जी	वीरगाम
व.८	श्री मुरलीधरजी	कोटा	व.१४	श्री प्रियव्रतरायजी	मुम्बई
व.८	श्री मुरलीधरजी	बेटद्वार		<b>“कार्तिक”</b>	
व.१०	श्री ब्रजनाथजी	विलेपार्ले	सु.१	श्री गोवर्द्धनेशजी	बम्बई
व.११	श्री नृसिंहलाल जी	शेरगढ़	सु.१	श्री रमणलालजी	मथुरा
व.१२	श्री गोविन्दरायजी	कोटा	सु.३	श्री प्रदीपकुमारजी	मथुरा
	<b>“आश्विन”</b>		सु.४	श्री मधुसूदनलालजी	अमरेली
सु.७	श्री हरिरायजी	मुम्बई	सु.६	श्री पुरुषोत्तमलालजी	अमरेली
सु.११	श्री कृष्णकुमारजी	कामवन	सु.७	श्री लालमणिजी	कोटा
व.३	श्री घनश्यामलालजी	मुम्बई	सु.७	श्री जीवनेशजी	मुम्बई
व.५	श्री ब्रजनाथजी	जामनगर	सु.८	श्री गोपाललालजी	मथुरा
व.६	श्री मगनलालजी	सूरत	सु.६	गो. अक्षयकुमारजी	मथुरा
व.१०	श्री ब्रजरायजी श्री नटवरगोपालजी	अहमदाबाद	सु.१०	श्री गोकुलाधीशजी	बम्बई
व.१०	श्री कन्हैयालालजी	मथुरा, पोरबंदर	सु.११	श्री श्यामसुन्दरजी	बम्बई



सु.१३	श्री गोविन्दरायजी	कामवन	सु.१०	श्री कल्याणरायजी	बम्बई
सु.१४	श्री जीवनलालजी	कोटा	सु.१०	गो. श्री वृजेशकुमारजी	कांकरोली
सु.१५	श्री गिरधरलालजी	काशी	सु.१२	श्री विट्ठलनाथजी	बम्बई
व.२	श्री पुरुषोत्तमलालजी	जूना	सु.१३	श्री वल्लभलालजी	बोरी., जाम.
व.७	श्री गोविन्दलालजी	नाथद्वारा			
व.८	श्री राजेन्द्रकुमारजी	मथुरा	व.५	गो. वल्लभ दीक्षितजी	मुम्बई
व.१०	श्री उत्तमश्लोकजी	मुम्बई	व.८	श्री श्याम मनोहरजी	मथुरा- पोरबंदर
व.१४	श्री जयदेवजी	वीरमगाम			
<b>“मार्गशीर्ष”</b>			व.६	श्री वल्लभलालजी	बम्बई
सु.१३	श्री गिरधरलालजी	नाथद्वारा	व.६	श्री विट्ठलनाथजी	मथुरा
सु.१४	श्री द्वारकेशलालजी	मांडवी	व.११	श्री रणछोड़लालजी	राजकोट
व.१	श्री दाऊजी (राजीवजी)	नाथद्वारा			
व.३	श्री विट्ठलनाथजी	चापासेनी	व.१२	श्री ब्रजभूषणलालजी	नडियाद
व.३०	श्री गोविन्दरायजी	पोरबंदर	<b>“माघ”</b>		
<b>“पौष”</b>			सु.४	श्री कृष्णकुमारजी	मथुरा
सु.४	श्री गोकुलनाथजी	वेरावल	सु.६	श्री अनिरुद्धलालजी	मुम्बई
			सु.१३	श्री घनश्यामजी	कामवन
सु.५	श्री गोपेश्वरलालजी	नाथद्वारा	व.२	श्री ब्रजभूषणलालजी	कांकरोली
सु.६	श्री दामोदरलालजी	नाथद्वारा	व.२	श्री नटवरलालजी	मांडवी
			व.४	श्री नृत्यगोपालजी	मुम्बई
सु.७	श्री रणछोड़लालजी	कोटा	व.५	श्री कल्याणरायजी	सूरत



“फाल्गुन”			व.१४	गो.यशोदानन्दनजी	बोरीवली
सु.३	श्री गिरधरजी	सूरत	“वैशाख”		
सु.४	श्री गोकुलनाथजी	गोकुल			
सु.८	श्री रमणजी	कामवन	सु.३	श्री देवकीनन्दनजी	कामवन
सु.११	श्री गोविन्दरायजी	सूरत	सु.६	श्री किशोरचन्द्रजी	जूनागढ़
सु.१२	श्री काकागिरधरजी	नाथद्वारा	सु.६	श्री यदुनाथजी	मथुरा
सु.१३	श्री मुरलीमनोहरजी	मुम्बई	सु.१०	श्री मुरलीमनोहरजी	बडोदरा
सु.१४	श्री मधुसुदनलालजी	सूरत	सु.११	श्री यदुनाथरायजी	जतीपुरा
सु.१५	श्री माधवरायजी	पोरबंदर	सु.१५	श्री माधवरायजी	मुम्बई
व.५	श्री चिम्नलाल जी	बम्बई	व.१	श्री द्वारकेशजी	पोरबन्दर
व.१३	श्री ब्रजरायजी	अहमदाबाद	व.५	श्री रणछोड़लालजी	कोटा
व.१३	श्री गोकुलनाथजी	माण्डवी- कच्छ	व.७	श्री शरदकुमारजी	मथुरा, पोरबंदर
व.३०	श्री कृष्णचन्द्रजी	मुम्बई	व.१०	चि. चन्द्रगोपालजी	मथुरा, पोरबंदर
“चैत्र”			व.११	श्री देवकीनन्दनजी	इन्दौर
सु.१०	श्री गोपाललालजी	कोटा-कड़ी	व.१२	श्री दीक्षितजी	बम्बई
सु.१३	श्री मुरलीधरजी	काशी	व.१४	श्री ब्रजाधीशजी	मुम्बई
सु.१४	श्री पुरुषोत्तमजी	मुम्बई	व.१४	श्री विठ्ठलेशरायजी	पोरबंदर
सु.१५	श्री मुरलीधरलालजी	बोरीवली	व.३०	श्री वागीशरणजी	बम्बई
सु.१५	श्री रघुनाथलालजी	गोकुल, मुंबई			



“ज्येष्ठ”			सु.३	श्री दामोदरलालजी	चापां
सु.१	गो. मथुरेशजी	वीरगाम	सु.५	श्री दामोदरलालजी	राजकोट
सु.४	श्री त्रिविक्रमरायजी	कोटा	सु.५	श्री विट्टलेशरायजी	कां.मुम्बई
सु.५	श्री जीवनजी	बम्बई	सु.८	श्री चिमनलालजी	मांडवी, गो.
सु.८	श्री मुकुन्दरायजी	राजकोट	सु.१२	श्री मथुरेशकुमारजी	मथुरा, पोरबंदर
सु.९	श्री गिरधरजी	कोटा	सु.१३	श्री रघुनाथजी	जूनागढ़
सु.११	श्री कल्याणरायजी	मथुरा	सु.१४	गो. देवेन्द्रकुमारजी	नाथद्वारा
सु.१२	श्री द्वारकेशलालजी	कोटा	व.१	श्री गोकुलेशरायजी	जूनागढ़
सु.१३	श्री जीवनलालजी	पोरबंदर	व.३	श्री नटवरगोपालजी	(मु.-वेरावल - पोरबन्दर)
सु.१४	श्री द्वारकेशलालजी	बम्बई	व.८	रसिकरायजी	चापासेनी नडियाद
सु.१५	श्री जीवनलालजी	काशी	व.८	श्री यदुनाथजी	सूरत
व.४	श्री गिरधरलालजी	कामवन	व.८	श्री घनश्यामलालजी	कामवन
व.८	श्री घनश्यामलालजी	मांडवी	व.१०	श्री व्रजरत्नलालजी	नडियाद
व.१२	श्री ब्रजरमणलालजी	मथुरा	व.११	श्री विट्टलेशरायजी	इन्दौर
व.१४	श्री वागधीशजी	अमरेली	व.११	श्री बालकृष्णलालजी	सूरत
“आषाढ़”			व.१२	श्री विट्टलेशरायजी	बम्बई
सु.२	श्री मगनलालजी	वेरावल	व.१३	श्री बालकृष्णजी	कांकरोली
सु.२	श्री गोपाललालजी	कामवन	व.१३	श्री कृष्णरायजी	इन्दौर
सु.३	श्री गोपाललालजी	कांकरोली	व.१३	श्री गोकुलेशजी	बम्बई
सु.३	श्री मथुरेशजी	मुम्बई			
सु.३	श्री वल्लभलालजी	कामवन			



# જોયાને મન મારા મોહ્યા

જોયાને મન મારા મોહ્યા  
વડોદરાના કલ્યાણરાયજી  
કલ્યાણરાયજીને મદન મોહનજી  
મદનમોહનજીને કપુરરાયજી.... જોયાને

સ્વરૂપ તમારું નિરખ્યું નિરખાય ના  
દર્શનનો આનંદ માખ્યો મપાય ના  
અંતરના સુખ મેં તો જોયા .... જોયાને

ભાલે તિલકને કરમાં છે કંકણ  
માથે મુકુટ શોભે જશોદાનંદન  
કુંડળમાં મન મારા મોહ્યા .... જોયાને

સોળે શણગાર મારું મનડું લોભાવે  
કંઠે વનમાળ મારા નયનો ભીંજાવે  
સઘળા સંતાપ મેં તો ખોયા .... જોયાને

દ્વારકેશ મહારાજશ્રીને માથે બીરાજે  
વૈભવ નિહાળી પેલો ઈન્દ્રરાજ લાજે  
વલ્લભના સ્વામી મેં તો જોયા .... જોયાને



# આનંદ અંગ ન સમાયજી

સખી મારે આનંદ અંગ ન સમાયજી

વડોદરામાં પધાર્યા શ્રી કલ્યાણરાયજી

વૈષ્ણવના ભાગ્ય તણો નહીં પારજી

દૈવી તે જીવનો કરવા ઉદ્ધારજી

સૈયર સર્વે જોડે ત્યાં આવેજી

પ્રભુજીને મોતીડે વધાવેજી

સર્વે વૈષ્ણવનો મળ્યો સાથજી

નાયો ગાવો ત્યાં તાળી વગાડોજી

હૈડા માં હરખ તણો નહીં પારજી

એને રુડુ મુખડે કહ્યો નવ જાયજી

શોભા જોઈ દાસનો દાસ બલરાયજી









## दिन का चोघडिया - लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं ।

रविवार	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग
सोमवार	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत
मंगलवार	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग
बुधवार	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ
गुरुवार	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ
शुक्रवार	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल
शनिवार	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल

## दिन का चोघडिया - लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं ।

रविवार	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ
सोमवार	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल
मंगलवार	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल
बुधवार	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग
गुरुवार	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत
शुक्रवार	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग
शनिवार	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ

श्री गोकुलनाथजी के वचनामृत ब्रज के मास सूं देखने । तीज-तेरस, चौथ-चौदश, पंचमी-पूज्यो एक जाननो, अमावस तजनी । वचनामृत में विश्वास राखि के प्रयाण करें तो मनोरथ सिद्ध होय ।

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	अ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	महिना तिथिन के फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहोत सुख होय, कलेश नहीं, अर्थ पूर्ण होय
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	अर्थ पूर्ण होय, मनोरथ सिद्ध होय, कामना पूर्ण होय
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	कलेश-जीवनाश होय, कुशल सूं घर आवें नहीं
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	महा चिन्ता होय, वियोग होय, कदचित् घर आवें
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	सौभाग्य, रत्न-सहित, भलि-भॉति सूं घर आवें
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	मिलनो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश दुःख पावें
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावें, कामना सिद्ध होय
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य, दिन बहोत लगें, कुशल सूं घर आवें
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	कलेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावें नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मार्ग में सिद्धि मिले, मित्र मिले, विघ्न मिटे, धन को लाभ



॥ श्री कल्याणरायो जयति ॥



“षष्ठपीठ” श्री कल्याणराय प्रभु की सेवा  
हेतु इस QR Code Scan  
का उपयोग करें ।

QR Code Scan

 **HDFC BANK**

@ **SHREE KALYANRAJI HAVELI**

TID NO. 99926483



विश्व एवं भारतवर्ष में शुद्धाद्वैत पुष्टि भक्तिमार्ग के  
माध्यम से धर्म - संस्कार एवं समाज के कार्यों में प्रवर्त  
श्रीमद् वल्लभाचार्य षष्ठपीठ  
अंतर्गत प्रमुख हवेली एवं संस्थान ।

### भारत

- \* श्री कल्याणरायजी हवेली - बडौदा ।
- \* श्री गोवर्धन गोपाल हवेली - घडीयाली पोल, बडौदा ।
- \* श्रीनाथजी हवेली, तुलसी सोसायटी, वाघोडीया रोड, बडौदा ।
- \* श्री वल्लभधाम - दूधेश्वर, आजवा रोड, बडौदा ।
- \* श्री गोवर्धननाथजी हवेली - निझामपुरा, बडौदा ।
- \* नंदालय हवेली - गोत्री, बडौदा ।
- \* श्री गोवर्धननाथजी हवेली - मांजलपुर, बडौदा ।
- \* कल्याणधाम हवेली - भायली, बडौदा ।
- \* कल्याण कृपा हवेली - तलसट, बडौदा ।
- \* पुष्टिधाम - गोधरा ।
- \* श्री महाप्रभुजी बेठकजी - नरोडा, अहमदाबाद ।
- \* श्री कल्याण पुष्टि हवेली - वस्त्रापुर, अहमदाबाद ।
- \* श्री कल्याणरायजी मंदिर - ढाल की पोल, अहमदाबाद ।
- \* श्री कल्याणकृपा हवेली - नरोडा गाम, अहमदाबाद ।
- \* श्री कल्याणरायजी मंदिर - गोकुल ।
- \* श्री कल्याणरायजी मंदिर - जतीपुरा ।
- \* श्री द्वारकाधीश मंदिर, विजापुर रोड, सोलापुर, महाराष्ट्र ।
- \* श्री गोवर्धननाथजी मंदिर - अमृतसर ।
- \* श्री गोवर्धननाथजी मंदिर - सिकंदराबाद ।
- \* श्री द्वारकाधीश मंदिर - झालरापाटन ।
- \* श्री कल्याणपुष्टि हवेली - गोवर्धननाथजी मंदिर - विदिशा ।
- \* श्री कल्याणपुष्टि हवेली - वृंदावन ।
- \* श्री कल्याणरायजी मंदिर - शेरगढ़ ।

### विदेश

- \* गोकुलधाम हवेली - अटलान्टा, यु.एस.अे ।
- \* श्री वल्लभधाम हवेली - कनेकटीकट, यु.एस.अे ।
- \* श्रीनाथजी हवेली - बेंसलेम, पी.अे., यु.एस.अे ।
- \* श्रीनाथजी हवेली - न्यु हेवन, सी.टी., यु.एस.अे ।
- \* नंदगाव हवेली - ऑस्टिन, टी.अेक्ष, यु.एस.अे ।
- \* श्री द्वारकाधीश टेम्पल - पर्लिन, न्युजर्सिं, यु.एस.अे ।
- \* पुष्टिधाम हवेली - ओकाला, फलोरीडा, यु.एस.अे ।
- \* श्रीमय क्रिष्णधाम - केलीफोर्निया, यु.एस.अे ।
- \* श्रीजीद्वार हवेली - अेडीशन, शीकागो, यु.एस.अे ।
- \* हिंदु सनातन मंदिर - वेम्बली, लेटनस्टोन, यु.एस.अे ।
- \* श्री वल्लभनिधि, यु.के. ।
- \* श्रीजीधाम हवेली - लेस्टर, यु.के ।
- \* ब्रज केनेडा - ब्रेपटन, केनेडा ।

# श्रीमद् वल्लभाचार्य षष्ठपीठ



“षष्ठपीठ”, श्री कल्याणरायजी हवेली,  
बाजवाडा, शेठ शेरी, मांडवी, वडोदरा.

फोन नं. +91 90167 39052

Email: [kalyanraijimandir@outlook.com](mailto:kalyanraijimandir@outlook.com)

श्री द्वाकेशलालजी महाराजश्री ओफिस

नं. +91 99885 53341